•शिव पूजा...

ना करें ये काम

सनातन धर्म में सावन के माह को भगवान शिव को समर्पित किया गया है। इस पूरे माह में भगवान शिव की पूजा की जाती है। खासतौर पर सावन के सभी सोमवार और शिवरात्रि पर भगवान शिव की विधिवत पूजा, व्रत और जलाभिषेक का खास महत्व है। स्कंद पुराण में कहा गया है कि सावन का माह भगवान शिव को सबसे ज्यादा प्रिय है और इस माह का हर दिन भगवान शिव और पार्वती की पूजा के लिए खासतौर पर फलदायी कहा गया है।

स्कंद पुराण में भगवान शिव सनत कुमार को बताते हैं कि वो अजर अमर हैं, लेकिन पार्वती मां ने हर जन्म में उनको वर रूप में पाने के लिए इसी माह में व्रत किए हैं। भगवान शिव ने कहा कि पार्वती ने हर जन्म में मुझे ही पति रूप में पाने के लिए इस माह में व्रत किए और शिवलिंग की पूजा की। सती और शिव विवाह के बाद जब राजा दक्ष के यज्ञ में भगवान शिव को नहीं बुलाया तो सती नाराज हो गईं। पति का अपमान देखकर दुखी होकर सती ने यज्ञ की अग्नि में कूदकर प्राण दे दिए। इसके बाद सती ने पार्वती के रूप में राजा हिमाचल के घर जन्म लिया।

पार्वती ने सावन माह के व्रत रखे और महादेव को पति रूप में पाने के लिए इसी माह में तपस्या की। भगवान शिव ने कहा कि इसलिए उनको ये माह बहुत प्रिय है और इसका हर एक दिन उनको पर्व की तरह लगता है। इस माह में जो भक्त सच्चे मन से महादेव और मां पार्वती की पूजा करता है, उसे भगवान शिव और मां पार्वती का आशीर्वाद मिलता है।

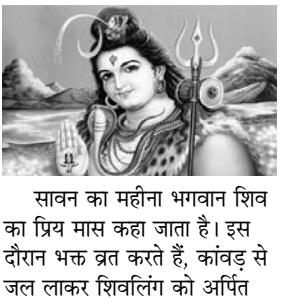

सावन का महीना भगवान शिव का प्रिय मास कहा जाता है। इस दौरान भक्त व्रत करते हैं, कांवड़ से जल लाकर शिवलिंग को अर्पित करते हैं और मंदिरों में शिव पूजा की जाती है। सावन माह में भगवान शिव की पूजा के कुछ खास नियम हैं जिनका पालन करने की सलाह दी जाती है.

- सावन माह में महादेव की पूजा करते समय उन्हें नारियल और तिल अर्पित न करें।
- शिवजी को सिंदूर, लाल फूल, हल्दी, तुलसी और केतकी के फूल अर्पित ना करें।
- सावन माह में मांस और मदिरा के सेवन से दूर रहना चाहिए।
- इस माह में दूसरों को कष्ट देने से बचना चाहिए, झूठ, मिथ्या और ईर्ष्या से भी बचना चाहिए।
- इस महीने में शरीर पर किसी भी तरह का तेल न लगाएं।
- सावन माह में पेड़ पौधों के नुकसान पहुंचाने या काटने से बचना चाहिए।

• सावन में...

इन नियमों का रखें ध्यान...

हिंदू धर्म में भगवान शिव का स्थान बेहद खास है। कहते हैं शिवजी को प्रसन्न करना ज्यादा मुश्किल नहीं है, वह अपने भक्त को थोड़े से प्रयासों से ही प्रसन्न हो जाते हैं। यही वजह है कि उन्हें भोलेनाथ भी कहा जाता है। कुछ ही दिनों में श्रावण मास की शुरुआत होने वाली है। ये महीना भगवान शिव को समर्पित है।

माना जाता है कि सावन में हर सोमवार का व्रत करने से भगवान शिव भक्त की सभी मनोकामना पूरी कर उन्हें सभी दुख-परेशानी से उबारते हैं। सावन महीने की शुरुआत 22 जुलाई से होने जा रही है जिसका समापन 19 अगस्त को होगा। इस दौरान भक्त शिवजी के नाम का व्रत कर उनकी भक्ति में लीन रहते हैं।

मान्यता है कि सावन के दौरान शिवजी को बेलपत्र, धतूरा, दूध, चावल, चंदन आदि चीजें अर्पित करने से भोले बाबा की कृपा भक्तों पर बनी रहती है। इतना ही नहीं सावन में अगर आप कुछ वास्तु नियमों का ध्यान रखेंगे तो आप भोले बाबा का आशीर्वाद जल्दी पा सकेंगे। तो चलिए बिना किसी देरी के जान लेते हैं उन वास्तु नियमों के बारे में जिन्हें आपको सावन में जरूर फॉलो करना चाहिए।

▸▸ भगवान शिव की कृपा पाने के लिए सावन के पवित्र महीने में आप घर में शमी का पौधा जरूर लगाएं। इसके साथ शिवलिंग की स्थापना करें और पूरे सावन इसकी पूजा पाठ कर पौधे को जल अर्पित करें। इससे भोलेनाथ जल्दी प्रसन्न होकर आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी करेंगे।

▸▸ सावन के महीने में वास्तु का नियम जरूर फॉलो करें। इसके अनुसार सावन में शिव-पार्वती परिवार की तस्वीर या प्रतिमा को उत्तर दिशा में लगाना चाहिए। तभी घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

▸▸ वास्तु के मुताबिक, सावन या सावन के पहले या बाद किसी भी स्थिति में शिव तांडव या शिव के क्रोध वाली कोई भी तस्वीर या मूर्ति घर में स्थापित नहीं करनी चाहिए। हमेशा शिव के शांत रूप की प्रतिमा को ही घर में विराजित करें। तभी शुभता आएगी।

▸▸ घर में शिवलिंग की स्थापना के लिए सावन का महीना सबसे सही माना जाता है। शिवलिंग की स्थापना घर की ईशान कोण या उत्तर और पूर्व के बीच की दिशा में करना शुभ होगा।

▸▸ सावन के महीने में शिवजी की मूर्ति या प्रतिमा कहीं से भी खंडित नहीं होनी चाहिए। अगर ऐसा है तो आपको फौरन इसे बदलकर नई मूर्ति स्थापित कर देनी चाहिए।

▸▸ शिव पूजा के दौरान सिर्फ शिवजी ही नहीं बल्कि माता पार्वती समेत उनके पूरे परिवार की पूजा जरूर करें। इससे भगवान जल्दी प्रसन्न होंगे।

▸▸ वास्तु का नियम कहता है कि भक्तों को घर में शिव पूजा करने के साथ-साथ सावन के महीने में मंदिर जाकर भी शिव पूजन करना चाहिए। तभी पूजा पूरी मानी जाएगी।

सावन के महीने के प्रारंभ होते ही तामसिक वस्तुओं जैसे मांस, शराब, नशीली वस्तुओं, लहसुन, प्याज आदि का सेवन नहीं करते हैं। सावन में पूरे माह सात्विक भोजन करना चाहिए। पूजा से पूर्व स्नान करके साफ कपड़े पहनना चाहिए।

भगवान शिव की पूजा के लिए बेलपत्र, भांग, धतूरा, शमी के पत्ते, आक के फूल, सफेद फूल, कमल, मौसमी फल, शहद, शक्कर, गंगाजल, गाय का दूध, धूप, दीप, गंध, नैवेद्य आदि जरूरी होते हैं...

सावन में शिव पूजा

सावन का महीना भगवान भोलेनाथ को प्रिय है। इस पूरे माह में भगवान शिव की पूजा करते हैं, लोग 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन करते हैं। शिवालयों में शिवलिंग का जलाभिषेक किया जाता है। संकटों से मुक्ति के लिए रुद्राभिषेक कराया जाता है। मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए लोग कांवड़ यात्रा भी करते हैं। शिव भक्त वो हर प्रयास और उपाय करते हैं कि उनके प्रभु शिव शंकर प्रसन्न हो जाएं और उनके मन की मुराद पूरी कर दें।

- सावन के महीने के प्रारंभ होते ही तामसिक वस्तुओं जैसे मांस, शराब, नशीली वस्तुओं, लहसुन, प्याज आदि का सेवन नहीं करते हैं। सावन में पूरे माह सात्विक भोजन करना चाहिए। पूजा से पूर्व स्नान करके साफ कपड़े पहनना चाहिए।

- भगवान शिव की पूजा के लिए बेलपत्र, भांग, धतूरा, शमी के पत्ते, आक के फूल, सफेद फूल, कमल, मौसमी फल, शहद, शक्कर, गंगाजल, गाय का दूध, धूप, दीप, गंध, नैवेद्य आदि जरूरी होते हैं।
- महादेव की पूजा में तुलसी के पत्ते, हल्दी, केतकी के फूल, सिंदूर, शंख, नारियल आदि का उपयोग नहीं करना चाहिए। ये सभी वस्तुएं शिव पूजा में वर्जित हैं।
- सावन के सोमवार, प्रदोष व्रत और शिवरात्रि के दिन उपवास रखकर भगवान भोलेनाथ की पूजा करनी चाहिए। ये तीनों ही दिन शिव कृपा प्राप्ति के लिए विशेष माने जाते हैं।
- शिव जी के मंत्रों का जाप करें। सामान्य पूजा में आप चाहें तो ***ओम नमः शिवाय*** मंत्र का जाप करें। शिव चालीसा पढ़कर भगवान शिव शंकर की आरती कर लें. आरती करने से पूजा की कमियां दूर होती है।
- सावन में भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए प्रत्येक दिन बेलपत्र अर्पित करें। बेलपत्र पर आप ओम नमः शिवाय या फिर राम लिखकर शिवलिंग पर चढ़ाएं। ऐसा करने से आपको महादेव का आशीर्वाद प्राप्त होगा। मनोकामनाएं पूरी होंगी। बेलपत्र भगवान शिव को बहुत प्रिय है। इसके बिना शिव जी की पूजा पूरी नहीं होती है।
- शिव कृपा प्राप्ति के लिए आप पूजा के समय शिव चालीसा का पाठ करें। समापन के समय शिव जी की आरती करें। शिव चालीसा में भगवान शिव शंकर की महिमा का बखान है और आरती करने से पूजा पूर्ण होती है। आरती करने से पूजा की कमियां दूर होती हैं। यदि आप पूरे सावन यह दो काम भी करते हैं तो आपको भगवान चंद्रशेखर का आशीर्वाद प्राप्त होगा। आपके कार्य सफल होंगे।
- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जलाभिषेक करने से देवों के देव महादेव प्रसन्न होते हैं। ऐसे में आप श्रावण के हर दिन शिव जी का नियमित गंगाजल या साफ पानी से अभिषेक करें। उस दौरान ***ओम नमः शिवाय*** मंत्र का उच्चारण करते रहें। ऐसा करने से शिव कृपा मिलेगी और जीवन सुखमय होगा। दुख दूर होंगे।
- सावन माह में शिव कृपा पाने का एक और उपाय है सोमवार व्रत। सावन सोमवार व्रत करने से आपकी विशेष मनोकामनाएं पूर्ण हो सकती हैं। इसमें आप नियमपूर्वक व्रत करें और शिव जी की विधि विधान से पूजा करें। माता पार्वती संग शिव पूजा करने से अखंड सौभाग्य प्राप्त होता है। दांपत्य जीवन सुखमय होता है। विवाह में होने वाली देरी भी खत्म होती है और जल्द विवाह के योग बनते हैं।
- रोग, ग्रह दोष, शारीरिक कष्ट, मानसिक पीड़ा, अकाल मृत्यु, कालसर्प दोष आदि से मुक्ति के लिए सावन में आपको रुद्राभिषेक कराना चाहिए। भगवान शिव का रुद्राभिषेक कराने से कार्यों में सफलता, धन-दौलत में वृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य आदि की प्राप्ति होती है। सावन में आप किसी भी दिन रुद्राभिषेक करा सकते हैं, जबकि सावन के अतिरिक्त किसी भी अन्य माह में रुद्राभिषेक कराने के लिए शिववास का होना जरूरी है।

■ पं. कुलदीप शास्त्री

• पूजा...

कपूर, लौंग और तेज पत्ता....

कपूर, लौंग और तेज पत्ता को एक साथ जलाने से वास्तु दोष दूर हो सकता है। बता दें कि वास्तु दोष लग जाए तो घर की तरक्की रुक सकती है। ऐसे में यदि आप वास्तु दोष से मुक्ति पाना चाहते हैं तो आप अपने घर में तेज पत्ते के ऊपर कपूर और लौंग चला सकते हैं। यदि आप सफलता पाना चाहते हैं तो रोज शाम को तेज पत्ते पर कपूर और लौंग रखकर जलाएं। यदि कपूर और लौंग के साथ तेज पत्ता जलाया जाए तो ऐसा करने से घर में सुख-शांति भी आ सकती है। वहीं कलेश भी दूर होता है। यदि आप अपने घर में खुशहाली लाना चाहते हैं और परेशानियों से राहत पाना चाहते हैं तो ऐसे में आप तेज पत्ते के साथ लौंग और कपूर जला सकते हैं। बता दें कि धन की कमी को दूर करने के लिए लौंग, कपूर और तेज पत्ता आपके बेहद काम आ सकता है। यदि रोज शाम को तेज पत्ते के अंदर लौंग और कपूर को जलाया जाए तो इससे माता लक्ष्मी की कृपा भी आपके जीवन पर बनी रहती है।

• शनि पूजा...

शनिवार के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि करें। इस दिन नहाने के बाद नीले या काले रंग के साफ-स्वच्छ वस्त्र पहनें। अब एक लकड़ी की चौकी पर लाल रंग का साफ कपड़ा बिछाएं। इस चौकी पर शनि यंत्र, शनि देव की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करें। अब शनि देव को फूल एवं फूलों की माला अर्पित करें।शनिदेव के सामने सरसों के तेल का दीपक जलाकर प्रार्थना करें ।शनिदेव को तिल, गुड़, खिचड़ी, काले तिल से बनी चीजों का भोग लगाएं। इससे शनिदेव अति प्रसन्न होते हैं।

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/संपादकः अनल पत्रवाल द्वारा गांव व डाकघर-रजियाणा, तहसील-नगरोटा बगवां, जिला-कांगड़ा-176056, हिमाचल प्रदेश से प्रकाशित एवं एजीएस पब्लिकेशन्स, डी-67, सेक्टर-6, नोएडा-201301, गौत्तम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश से मुद्रित